



## नहाय-खाय के साथ आज से लोक आस्था का महापर्व छठ

सज गये छठ बाजार, नदी-तालाबों की साफ सफाई जोरों पर, छठ घाट भी सजाधज कर तैयार

- रांची समेत पूरे झारखण्ड-बिहार और देशभर में महापर्व की तैयारी जोरों पर
- रातव वध के बाद प्रभु श्रीराम और माता सीता ने रखा था छठ का ब्रत

### खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार (17 नवंबर) को नहाय खाय के साथ हो जायेगा। 18 नवंबर पचमी को खरना, 19 नवंबर चौथी को ढूबते सूर्य को अर्च और 20 नवंबर सप्तमी की उगते सूर्य को जल अर्पित कर ब्रत संपन्न होगा। रांची समेत पूरे झारखण्ड-बिहार और देशभर में इस महापर्व की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। भारतीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की गहराई 5 किलोमीटर थी। उत्तराखण्ड जिले में पिछले 7 महीने में 10 बार भूकंप आ चुके हैं। भू वैज्ञानिक इसे बड़े भूकंप का द्रेत्र मान रहे हैं।

### पाकिस्तान : मुठभेड़ में

### एक सैनिक की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खंबर पक्षीनूसिया प्रांत में गुरुवार को सुखावलों और आतंकवादी के बीच दो मुठभेड़ों में एक सैनिक और चार आतंकवादी मरे गये। आतंकियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किये गये।

### रामगढ़ : अवैद्य संबंध

### में पति ने पत्नी को मारा

रामगढ़। जान क्षेत्र के सिरका मुंडा पर्वी में अवैद्य संबंध का विरोध करने पर सुनील सिंह ने अपनी पत्नी सावित्री देवी की हत्या कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची रामगढ़ पुलिस शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### सहायत्री सुब्रत रोय

### पंचतत्व में विलीन

लखनऊ। सहायत्रा इंडिया परिवार के संस्थापक, प्रणेता, मुख्य अधिभावक और सूकू के प्रबंध कार्यकर्ता एवं धैर्यसन माननीय सहायत्री सुब्रत रोय सहाया का पर्यावरण शरीर गुरुवार को गोमती किनारे बैरुत धाम में पवतत्व में विलीन हो गया। नम आंदों से हजारों लोगों की मृतजीवी और मुख्यनी दी। मगमीन माहौल में सहायत्रा परिवार के अधिकारी और कर्मचारीगण ब्रांजिल देने पहुंचे।

### गोड्डा : मृति विसर्जन के

### दौरान जमकर बवाल

गोड्डा। जिले के पथरा में मूर्ति विसर्जन के दौरान युवकों के सूकू के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान दोनों तरफ लाठी डंडों से हमला किया गया। दोनों गुटों के बीच जब पुलिस बीच बवाल करने पहुंची तो असामाजिक तरफे ने पुलिस पर भी हमला किया। इस हमले में एक दारोगा घायल हो गये। तबरेज शास्त्री ने 2-2 विकेट छाटके।

## वर्ल्ड कप खिताब जीतने को रोहित सेना अहमदाबाद पहुंची

- फाइनल भिंडि कल, पीएम
- मोदी भी जा सकते हैं मैच देखने

### एजेंसी

अहमदाबाद। सेमीफाइनल में धमाकेदार जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंची टीम ईडिंग वर्ल्ड कप खिताब जीतने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली क्रिकेट को सेना गुरुवार को अहमदाबाद पहुंच गयी है। वहाँ के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 19 नवंबर का क्रिकेट वर्ल्ड कप को फाइनल मुकाबला खेला जायेगा। भारतीय वायुसेना द्विनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। इसकी क्षमता एक लाख दर्शकों के बाद रुद्ध हो जाती है।

सिंगर जावेद अली और इसने देखने की तिकी दिलीप



### हर जगह वातावरण भक्तिमय

महापर्व के दौरान हर घर और समाज में भक्तिमय माहौल रहता है। भगवान सूर्य की उपासना का यह पर्व शुक्रवार 17 नवंबर को दिल्ली जाने और देशभर में सेधा जायेगा। वर्षा जाने और देशभर के बाले प्रसाद को गहण करती हैं और जाने में सेधा जाने और देशभर के बाले प्रसाद तैयार करती हैं। खरना के अगले दिन उपासना रख शम को वर्ती बास से बले दरार में ठेकुआ, फल, ईख समेत अन्य प्रसाद लेकर नदी, तालाब या अन्य जलाशयों में जाकर शम के अन्य अस्तालगामी भगवान भक्तिमय का अर्च देती है। वैदेश दिन सुबह उद्योगालान सूर्य की अर्च अपित अन्न-जल गहण कर 'पाण' कर बत तोड़ती हैं। हिसके साथ ही 36 घंटे के कठिन पर्व का समाप्त हो जाता है।

अस्तालगामी और उद्योगालान सूर्य की पूजा करने की साफ सप्तमी और माता सीता ने रावण का वध करती है। उसके अगले दिन सप्तमी और श्रीराम और माता सीता ने रावण का वध करती है। उसके अगले दिन सप्तमी और श्रीराम और माता सीता ने रावण का वध करती है। उसके अगले दिन सप्तमी और श्रीराम और माता सीता ने रावण का वध करती है।

आराधना की। उसके अगले दिन सप्तमी और उद्योगालान सूर्य की पूजा कर आशीर्वाद करती है। उसके अगले दिन सप्तमी और श्रीराम और माता सीता ने रावण का वध करती है।



महापर्व छठ को लेकर सजाया गया करमटोली तालाब।

### कब तया

17 नवंबर	नहाय खाय
18 नवंबर	खरना
19 नवंबर	संध्या अर्च
20 नवंबर	उद्योगालान सूर्य का अर्च

## रोमांचक मुकाबले में अप्रीका को हरा आस्ट्रेलिया फाइनल में



भारत से खिताबी भिंडि 19 को

### एजेंसी

कोलकाता। ऑस्ट्रेलिया ने काटे के रोमांचक सेमीफाइनल में दक्षिण अप्रीका को 3 विकेट से हराकर क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल से 19 नवंबर को अहमदाबाद के मोदी स्टेडियम में अप्रीका को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि 19 अप्रैल को अप्रैल 20 के फाइनल में खेला जाएगा।

खिताबी भिंडि









## विनाशक युद्ध

**मा** नवता के इतिहास में इसनी आंतक को समझने के लिए द्वितीय विश्वयुद्ध एक मौका देता है। इसके समाप्त हुए 75 साल हो चुके हैं लेकिन इस युद्ध को आज भी दुनिया के सभासे बड़े विनाशक के रूप में माना जाता है। जर्मनी के तानाशाह हिटलर और इश्वर के मुखोलिनों ने पूरे यूरोप में उनके सहयोगी जापान के शासक ने एशिया में आंतक का राज कायां करने की कोशिश की थी। लेकिन विश्व की न्यायप्रिय जनता ने उनको पराजित किया। इंग्लैण्ड, फ्रांस सहित युरोप के अन्य देशों में हिटलरी आंतक का डंका बज रहा था। उन दिनों यूरोप के ज्यादातर देशों में राजा-ओं का सासन था। इंजरायल हो या रुस दोनों का युद्ध निर्देशीय है और अंतकवाद तो धृष्टित ही है। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र का गठन ही युद्ध के खिलाफ विश्वजन्मत का ऐलान था। संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख लक्ष्य यह भी था कि बाद की पीढ़ियों को युद्ध के संकर से बचाया जा सके। आंतकवाद आज की तानाशाही में युद्ध को एक साधन है। इसको तबाह करने के लिए सभी देशों को एक जुट्ठ होना पड़ेगा। अमेरिका में लोकतंत्र की व्यवस्था थी। दूसरे विश्वयुद्ध में अमेरिका प्रमुख भूमिका अदा कर रहा था। सब ने मिलकर आंतकवादी हिटलर की तानाशाही सोच को हराया और दुनिया को आंतक के राज से मुक्त किया। उसके बाद पूरी दुनिया में लोकतंत्र की बायार बहने लगी थी। इंग्लैण्ड के लोकतंत्र को ज्यादातर देशों ने अपनाया। लिंबरल डेमोक्रेटिक सोच और राजनीति का माहौल बना। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बहुत सारे देशों को आजायी नसीब हुई। आज भारत के लोकतंत्रिक मूल्यों के स्थापित होने के पीछे भी इस युद्ध से उत्तम हुर्दि विश्वितायां मानी जा रही है। आज पूरे विश्व में शांति सभासे बड़ी आवश्यकता बन गयी है जिसे हमें 75 वर्षों में लगातार काम किया है।

## धेरे में बघेल

**भा** जपा ने प्रवर्तन निवेशालय के बड़े खुलासे के बाद भ्रेश बघेल को घोषा है। कंटेनर मंत्री स्पृति ईंग्नी ने तो खुला आरोप लगाया है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में हवाला ऑपरेटर के पैसे का प्रयोग कर रही है। ईंग्नी ने कहा है कि भ्रेश बघेल के खिलाफ कुछ चाँका देने वाले तथ्य देश के समाने आए हैं। असीम दास से 5.30 करोड़ रुपये से ज्यादा बरामद हुए हैं। ईंग्नी ने इस पर सवाल पूछे हैं कि क्या वह सत्य नहीं है कि दो नवंबर को एक निजी होटल में असीम दास से पैसा देता था। क्या वे सत्य नहीं है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेताओं को शायम सोनी के माध्यम से असीम दास पैसा पहुंचाते थे? क्या वे सत्य नहीं है कि शुभम सोनी को चुनाव खर्च के लिए पैसा देता था। क्या वह सत्य नहीं है कि अलग-अलग बैंक खातों से 15.50 करोड़ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रीज किया गया था? क्या वह सत्य है कि असीम दास को दुर्वाल भेजा गया था? शुभम सोनी महादेव के शीर्ष प्रबंधन का हिस्सा है। इसी शुभम ने स्वीकार किया है कि महादेव ऐप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भ्रेश बघेल को 538 करोड़ रुपये रिश्वत दी। इस खल में चंद्रभूषण वर्मा नामक अधिकारी की भूमिका भी सामने आई है। महादेव सदूँ ऐप की हल्की आवाज से उभरी गोलमाल की पूरी एरीगांवी प्रवर्तन निवेशालय ने पढ़ ली है। निवेशालय ने इस ऐप से संबद्ध 14 आरोपियों के खिलाफ 9084 पेंज की जारीखी इसी साल 21 अक्टूबर को आदालत में इसी माह 25 नवंबर को इस पर सुनवाई होनी है। प्रारंभिक चरण में 41 करोड़ की संपत्ति अटेंच की गई है। चुनाव के बीच वह प्रकरण क्या प्रभाव डालता है। वैसे प्रायाचार अब आरोप अधिक मुद्दा कम बन रहा है।

## सुदर्शन दिन

## विचार-प्रग्रह

## अनादि वत्त्व

यह तो नहीं पता कि उन छह दिनों ने मेरी जिंदी में कितने बदलाव दिया है। इसलिए मैंने रिश्वतदार की बात अनुसूनी कर दी। लेकिन अन्यान के एक रात लगा कि अब कोई जिंदी के सबसे

खुबसूरत छह दिन, वो छह दिन जब मैंने अपने भीतर न जाने कब से दबे हुए करवे को असुओं के जरिये बाहर निकलते महसूस किया, मन को पूरी तरह खाली हो जाते देखा शरीर में हल्कापन पाया और सासों की एक नई लव सुनी। छह दिनों के दौरान कोई मुश्किल नहीं, बदियों के नाम पर एपिफनी चाय/कॉफी और शाराब से पहेज और अपेस के नाम पर रोजाना महज तीन घंटे।

बात आर्ट ऑफ लिंगिंग द्वारा संचालित सुरक्षन क्रिया की हो रही थी। 2003 में एक नजदीकी

प्रियों के बीच देखते हैं।

तब विसिक को छह दिन का होता था, मंलालवार से रिविवार तक। मंलालवार से शनिवार तीन घंटे और रिविवार को एक रात लगती है। सुरक्षन क्रिया इसी कोर्स का हिस्सा है। खैर, एक मंलालवार बिना किसी पूर्णग्रह के मैं दोपहर बाद 3 बजे आर्ट ऑफ लिंगिंग के द्वारा करवाये जाते हैं। नियमित एक बार बाजार खाली रहते हैं, तब बदियों के नाम पर एपिफनी चाय/कॉफी और शाराब से पहेज और अपेस के नाम पर रोजाना महज तीन घंटे।

हमारी एट्री एक हाल में हुई, जहां अध्यात्मिक गुरु श्रीगी रिविवार का एक फोटो लगा था और उसके पास एक शख्स बैठे थे।

बात आर्ट ऑफ लिंगिंग द्वारा संचालित सुरक्षन क्रिया की हो रही थी।

संक्रान्ति के दौरान देखकर महात्मा गांधी को किये गए देखकर करवाया गया था। इसीलिए महात्मा गांधी ने विचार रखा था कि कांग्रेस को खत्त कर देना चाहिए। कांग्रेस को वर्तमान दुर्लभ देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है। कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस को आपूर्णत कम होनी, दीर्घावधि विजयी खरीद समझते हैं।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस को आपूर्णत कम होनी, दीर्घावधि विजयी खरीद समझते हैं।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची

संक्रान्ति के दौरान देखकर गांधी जी की इच्छा पूर्ण होती प्रतीत हो रही है।

कांग्रेस का कोई अपूर्णता नहीं है।

कांग्रेस का सभलना देश दित रहा है।

- अनिल शर्मा, रांची





# हे छठी मईया



# दुनिया का एक मात्र सूर्य मंदिर देव, (औरंगाबाद) जिसका द्वार पश्चिम की ओर

## विश्व को पुरातन परम्परा से कराया अवगत

**रातों रात बदल गई थी**  
**इस सूर्य मंदिर के मुख्य द्वार की दिशा, छठ पर लगता है यहां बड़ा मेला**

छठ पर्व पर बिहार के औरंगाबाद में बना सूर्य मंदिर खूब चर्चा में रहता है। यह भारत का एकमात्र मंदिर है, जिसका प्रवेश द्वार पश्चिम दिशा में है। सौंफे ऊंचे इस मॉदूक का स्थानकथा और वास्तुकला वास्तव में अद्भुत है। कहते हैं कि इस मंदिर का निर्माण एक रात में किया गया था।

**रातों रात बदल गई थी**  
**इस सूर्य मंदिर के मुख्य द्वार की दिशा, छठ पर लगता है यहां बड़ा मेला**

भारत में आश्चर्य और रहस्यमयी मंदिरों की कोई कमी नहीं है। जिस मंदिर में जाएं उसका अपना इतिहास और अपनी कहानी है। लेकिन कुछ मंदिर वास्तव में ऐसे हैं, जिनके बारे में सुनने के बाद इन्हें कीरी भी और जानने की उत्सुकत बढ़ जाती है। ऐसा ही एक रहस्यमयी मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में है। इसके बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर ने खुद ही अपनी दिशा बदल ली थी। कुछ लोग इसे मुरादों का मंदिर भी कहते हैं। हम बात कर रहे हैं यहां के सूर्य मंदिर की। इन दिनों इस मंदिर में छठ पूजा की धूम मची हुई है। अभी से मंदिर में भक्तों का यहां तांत्र लगा हुआ है। यहां भक्तों की भीड़ को देखकर इसकी मान्यता का अनुमान लगाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं सूर्य मंदिर से जुड़ी कई अनोखी बातों के बारे में।

### एक रात में बना था मंदिर -

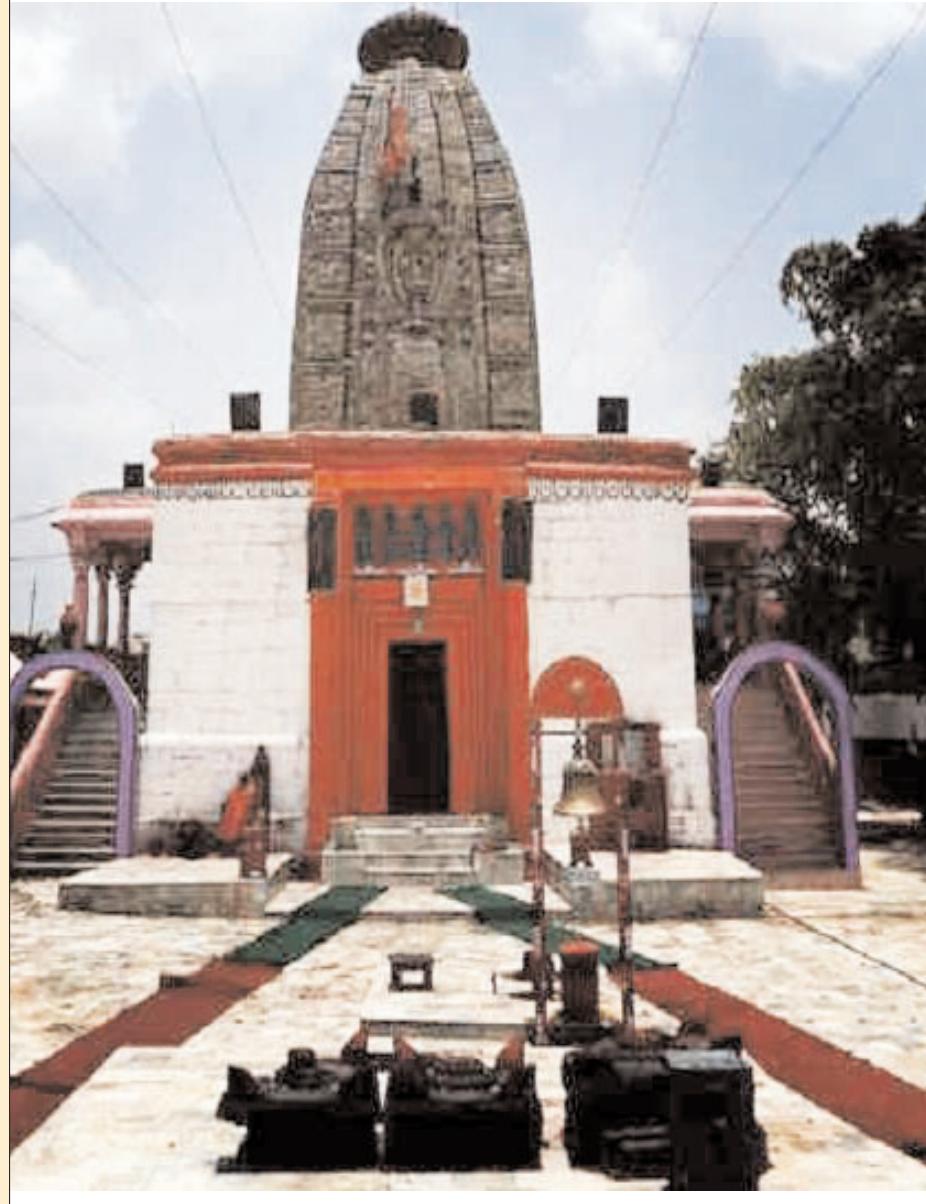
कहते हैं कि इस मंदिर का निर्माण खुद भगवान विश्वकर्मा ने एक रात में किया था। आणीय लोगों का मानना है कि इस मंदिर में दर्शन करने से आपकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। यह अद्भुत मंदिर अपने अंदर न जाने किसे रहस्य समेटे हुए है। किंवदितों के अनुसार, इस मंदिर की दिशा खुद ही बदल गई थी। इसका रहस्य भी बड़ा रोक है।

### पश्चिम की ओर है दरवाजा -

आमतौर पर मंदिरों का दरवाजा पूरब की ओर होता है। यह देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जिसका दरवाजा पश्चिम की ओर है। इस मंदिर में आप सूर्य देवता की मूर्ति को सात रथों पर सवार देख सकते हैं। इसमें उनके तीनों रूप उदयाचल, मध्याचल और अस्ताचल के रूप में मौजूद हैं। इसी कारण छठ पूजा में इस मंदिर की मान्यता और बढ़ जाती है।

### क्या है रहस्य -

मंदिर का दरवाजा पश्चिम की ओर क्यों है, इसके पीछे भी



दिलचस्प कहानी है। कथा के अनुसार, एक बार औरंगजेब मंदिरों को तोड़ने औरंगाबाद पहुंचा लोगों ने इसे न तोड़ने की विनती की। उसने कहा कि अगर इस मंदिर में वास्तव में भगवान हैं, तो इस मंदिर का प्रवेश द्वार पश्चिम में हो जाए। लोगों ने सूर्य देव से प्रार्थना की और अगली सुबह जब निर्माण 12 लाख 16 हजार वर्ष पहले त्रेता युग में हुआ था और आज इस पौराणिक मंदिर को लगभग 1 लाख 50 हजार 20 वर्ष पूरे हो गए हैं।

### जगन्नाथ का दूसरा

#### रूप है मंदिर -

यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए बड़ा प्रसिद्ध है। औरंगाबाद से 18 किमी दूर यह मंदिर 100 फीट ऊंचा है। कुछ लोग इसे ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर का दूसरा कहते हैं।

सह मंदिर डेढ़ लाख साल पुराना है। मंदिर बिना सीमेंट के चूना गारा का इस्तेमाल कर

कहते हैं।

### सूर्य कुंड में प्रतिमा स्नान का महत्व -

इस मंदिर में सूर्यकुंड नामक तालाब का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने के बाद ही सूर्यदेव की आराधना की जाती है। मंदिर की परंपराओं के अनुसार, हर दिन चंदी बजाकर सुबह 4 बजे भगवान को उठाया जाता है और उनकी प्रतिमा को स्नान कराया जाता है। फिर ललाट पर चंदन लगाकर एवं वस्त्र पहनाए जाते हैं। इस व्रत से संतान सुख प्राप्त होता है।

भगवान राम सूर्यवंशी थे और इनके कुल देवता सूर्य देव थे। इसलिए भगवान राम और सीता जब लंका से वाराण वध करके अयोध्या वापस लौटे तो अपने कुलदेवता का आशीर्वाद पाने के लिए इन्होंने देवी सीता के साथ पश्ची तिथि का व्रत रखा और सूर्य नदी में दूकृत सूर्य को फल, मिठान एवं अन्य वस्तुओं से अर्च्य प्रदान किया।

सप्तमी तिथि को भगवान राम ने उगते सूर्य को अर्च्य देकर सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद राजकाज संभालना शुरू किया। इसके बाद से आम जन भी सूर्यष्टी का पर्व मनाने लगे।

### महाभारत के इस योद्धा ने शुरू किया था छठ पर्व?

महाभारत का एक प्रमुख पात्र है कर्ण जिसे दुर्गाधन ने अपना मित्र बनाकर अंग देश यानी आज का भागलपुर का राजा बना दिया। भगलपुर विहार में स्थित है।



### छठ पर्व की शुरूआत आखिर कैसे हुई?

चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व बड़ा ही कठिन है इसमें शरीर और मन को पूरी तरह साधना पड़ता है। इसलिए इसे पर्व का हठयोग भी माना जाता है। इस कठिन पर्व की शुरूआत कैसे हुई और किसने इस पर्व को शुरू किया था। यह विषय में अलग-अलग मान्यताएँ हैं।

### क्या भगवान राम और सीता ने किया सबसे पहले छठ?

अंग राज कर्ण के विषय में कथा है कि, यह पाण्डवों की माता कुंती और सूर्य देव की सतान है। कर्ण अपना आराध्य देव सूर्य देव को मानता था। यह नियम पूर्वक कर्म तक तपानी जाकर सूर्य देव की आराधना करता था और उस समय जरूरतमंदों की दान भी देता था। माना जाता है कि कात्किंशु शुक्ल पश्चीम अलग-अलग मान्यताएँ हैं।

अपने राजा की सूर्य भक्ति से प्रभावित स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू की भी बड़ा योगदान है।

**कौन हैं छठी मैया और किसने की इनकी पहली पूजा?**

पुण्य की कथा के अनुसार प्रथम मनुष्य प्रियव्रत की कठिन पर्वत संतान नहीं थी। प्रियव्रत ने कथ्यप्रथम से संतान प्राप्ति का उपाय पूजा।

अपने राजा की सूर्य भक्ति से प्रभावित

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।

स्वास्थ्य और राजपाट पुनः पाने के लिए सूर्य देव की पूजा की थी। माना जाता है कि छठ पर्व की परंपरा परंपरा को शुरू करने में इन सास बहू का भी बड़ा योगदान है।



दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हरा कर आस्ट्रेलिया 8वीं बार वनडे विश्व कप के फाइनल में



Oct 05 - Nov 19



दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को दिया था 213 रनों की टारगेट

## एजेंटी

कलकत्ता। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हरा दिया और रिकॉर्ड आठवीं बार वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। पांच बार के विश्व विजेता कंगारू टीम का सामना रविवार को अहमबाबत के मैदान में मेजबान और दो बार के विश्व चौथेंयन भारत से होगा। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 212 रन बनाए। इसके जबाबदा में बाबर लक्ष्य हासिल कर लिया। दक्षिण



अफ्रीका के लिए गेरल्ड कोइंजे और तबरेज शासी ने दो-दो विकेट लिए। किंगी रबाडा, एडेन मार्करम और केवन महाराज ने एक-एक विकेट लिया।

टॉस जीतकर पहले दक्षिण अफ्रीका ने की बल्लेबाजी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कजान बाबुमा खाता खाले बिना पर्यालियन लौट गए। इसके बाद विंटन डिकॉक तीन रन और इसेन छह रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने कोलकाता में छाए बालदारों का फायदा उठाया और मार्करम को 10 के स्कोर पर आउट कर दिया। 24 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद दक्षिण

ओवर में सभी विकेट खोकर 212 रन पर स्मिट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क और पैट कर्मिंस ने तीन-तीन विकेट लिए। जोश हेजलबुड और ट्रेविस हेड ने दो-दो विकेट लिए।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने शनदार शुरूआत की 213 रन का पैदा करते हुए। इसके बाद कोइंजे ने मिलर का साथ भिखारा और दोनों ने सातवें विकेट के लिए 63 रन जोड़े। कोइंजे ने 19 रन लेकर 60 रन जड़ दिए। इसके बाद वॉर्नर 29 के स्कोर पर मार्करम का शिकार बने। रबाडा ने मार्श को खाता भी नहीं खोलने दिया, लेकिन इसके बाद वॉर्नर 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद वॉर्नर 29 के स्कोर पर मार्करम का शिकार बने। रबाडा ने मार्श को जीत दिला दी। स्टार्क 16 और कर्मिंस 14 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रीका के लिए गेरल्ड कोइंजे ने दो-दो विकेट लिए। किंगी रबाडा, एडेन मार्करम और केवन महाराज ने एक-एक विकेट कर लिया।

शिक्कंजा कसा और रन बनाना बेहद मुश्किल हो गया।

लालुबोर्न को 18 के स्कोर पर शम्सी ने किंगी के सामने फैसाया फिर मैक्सेल को एक रन के निजी स्कोर पर बालूड कर दिया। इंग्लिस और स्मिथ ने 37 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। कोइंजे ने स्मिथ को 30 रन के स्कोर पर आउट किया। इंग्लिस 28 रन बनाकर आउट हुए और ऑस्ट्रीका की टीम मैच में बनी रही। हालांकि मिचेल स्टार्क और पैट कर्मिंस ने आठवीं विकेट के लिए नाबाद 22 की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिला दी। स्टार्क 16 और कर्मिंस 14 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रीका के लिए गेरल्ड कोइंजे और तबरेज शासी ने दो-दो विकेट लिए। किंगी रबाडा, एडेन मार्करम और केवन महाराज ने एक-एक विकेट कर लिया।

## तीन दिवसीय सीसीएल इंटर एरिया बैडमिंटन और टेबल टेनिस टूर्नामेंट संपन्न

## खबर मन्त्र व्यूरो



प्रतियोगिता में सीसीएल मुख्यालय को जबकि पुरुष वर्ग में संआरएस बरकाकाना को जीजी टीम घोषित किया गया। इसी तरह बैडमिंटन में ही अपेन पुरुष सिंगल्स में संचित कुमार, सीआरएस बरकाकाना, ओपेन मेन्स डब्ल्यूस में निखिल एवं तुमारा प्रथम स्थान पर रहे। वेटरन सिंगल्स में मोहन लाल सिंह, वेटरन डब्ल्यूस में मोहन लाल सिंह एवं संजय चटर्जी, महिला ओपेन सिंगल्स में आलोक कुमार औपेन डब्ल्यूस में एस. निधि,

समरेन्द्र सिंह एवं आलोक कुमार, केवा मुख्यालय, मोनोज दुड़ु, पुष्पक लाला, अदिल हुसैन, अविराज शेराव, अभिलाप सिंह, अजय मुकुल टोपो, उपाधी हस्सा, आशीष सिरिल कच्छप एवं

अन्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि सीसीएल सीसीएल, डॉ. बी. वीरा रेड्डी के मार्गदर्शन में किमियों के टेबल टेनिस प्रतियोगिता में महिला ओपेन सिंगल्स में प्रथम और द्वितीय अव्यायी अधिकारी ने जारी की एवं एस. निधि जबकि पुरुष ओपेन सिंगल्स के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पुरुष वर्ग के टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हजारीबाग क्षेत्र को जीजी टीम घोषित किया गया। इसी तरह डब्ल्यूस में निखिल एवं तुमारा प्रथम स्थान पर रहे। वेटरन सिंगल्स में मोहन लाल सिंह, वेटरन डब्ल्यूस में मोहन लाल सिंह एवं संजय चटर्जी, महिला ओपेन सिंगल्स में आलोक कुमार औपेन डब्ल्यूस में एस. निधि,

## नेशनल रेसिंग चैपियनशिप 2023 का ग्रैंड फिनाले 17 नवंबर से



कोयंबढ़ा। 26वीं जेके टायर एफएमएसीआई नेशनल रेसिंग चैपियनशिप का ग्रैंड फिनाले 17 नवंबर से कारी मोटर स्पीडवे पर शुरू हो रहा है और इसका समाप्ति 19 नवंबर को होगा।

प्रीमियर एलजीबी फॉम्यून्यू 4 ब्रिंगों में रास्ट्रीय चैपियनशिप और जेके टायर नोविस कप, जेके टायर प्रेंजेंट्स 17 नवंबर से कारी मोटर स्पीडवे पर शुरू हो रहा है और इसका समाप्ति 19 नवंबर को होगा।

प्रीमियर एलजीबी फॉम्यून्यू 4 ब्रिंगों में रास्ट्रीय चैपियनशिप और जेके टायर नोविस कप, जेके टायर प्रेंजेंट्स 17 नवंबर से कारी मोटर स्पीडवे पर शुरू हो रहा है और इसका समाप्ति 19 नवंबर को होगा।

बंगलुरु के रुहान ने ट्रैक पर अपने छह संकर्त्य और कौशल से सभी को प्रधानित किया है और इस ब्रिंगों में अपनी पहली रास्ट्रीय चैपियनशिप के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना है।

बंगलुरु के रुहान ने ट्रैक पर अपने छह संकर्त्य और कौशल से सभी को प्रधानित किया है और इस ब्रिंगों में 52 अंकों के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर है। रुहान को उमीद होगी कि वह अपनी अच्छी लाल बकरी रखेंगे और अन्य सभी को कड़ा मुकाबला होगा।

भारतीय नियार्ता एलजीबी को जीत दिला दें।

## यूपी सरकार नर्यी खेल नीति के तहत दे रही सीधे नौकरी : अवनीश



कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बराबर प्रोत्साहन दे रही है और अब तो नई खेल नीति के तहत उनको सीधे नौकरी का भी प्रावधान है। इसलिए खिलाड़ियों को जिसकी गति और खेल पर अधिक ध्यान देने वाली नीति के तहत डिट्रिया एसपी तक तक जारी की रखी गयी। यह बातें यूपी खेल नीति के तहत डिट्रिया एसपी तक तक जारी की रखी गयी।

अवनीश अवधी का नामपुर में बने द स्पोर्ट्स हब में आयोजित 70वीं टीएसएच ट्रैटेंग ग्लोबल यूपी स्टेट टेबल टेनिस चैपियनशिप के बायरों द्वारा आयोजित की जारी रखी गयी। इसके बायरों द्वारा आयोजित की जारी रखी गयी।

अवनीश अवधी का नामपुर में बने द स्पोर्ट्स हब में आयोजित 70वीं टीएसएच ट्रैटेंग ग्लोबल यूपी स्टेट टेबल टेनिस चैपियनशिप के बायरों द्वारा आयोजित की जारी रखी गयी। इसके बायरों द्वारा आयोजित की जारी रखी गयी।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन प्रशंसन करने के बायरों द्वारा खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन प्रशंसन करने के बायरों द्वारा खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन प्रशंसन करने के बायरों द्वारा खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन प्रशंसन करने के बायरों द्वारा खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन प्रशंसन करने के बायरों द्वारा खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभावन खिलाड़ियों को बेहारीन तोहारे दे रही है। रास्ट्रीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर बेहारीन



